Bareilly, Thursday,
29 December 2022
BAREILLY EDITION
Price ₹ 3.50/-
Pages 12

दैनिक जागरण

inext

PAGE NO 5 : BOTTOM RIGHT

मौत के मुंह से ट्रामा के मरीजों को निकालता है गोल्डन ऑवर

एसआरएमएस मेडिकल कालेज में ट्रामा सर्जरी एंड क्रिटिकल केयर स्पेशलिस्ट डा.हर्षित अग्रवाल ने कहा

बरेली: हादसों के बाद घायलों को समय से हास्पिटल पहुंचाया जा सके तो अधिकांश की जान बचाने के साथ ही उन्हें आजीवन अपंग होने के दंश से भी निजात दिलाई जा सकती है। ऐसे में गोल्डन ऑवर की महत्वपूर्ण भूमिका है। क्या है गोल्डन ऑवर और कैसे अधिकतम घायलों की जान बचाना संभव हो सकता है ? आज इस पर बात करते हैं एसआरएमएस मेडिकल कालेज में ट्रामा सर्जरी एंड क्रिटिकल केयर स्पेशलिस्ट डा.हर्षित अग्रवाल से। एम्स नई दिल्ली से ट्रामा सर्जरी एंड क्रिटिकल केयर में एमसीएच करने वाले डा.हर्षित एम्स रायबरेली में भी काम कर चुके हैं।

सवाल- गोल्डन ऑवर क्या है ?

डा. हर्षित- गोल्डन ऑवर हादसे के बाद का वह पहला एक घंटा है, जिसमें घायल की जान बचाने और उसके अंगों को बचाने की संभावना सबसे ज्यादा होती है। अगर उसे शीघ्रता से अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित और विशेषज्ञों की उपलब्धता वाले ट्रामा सेंटर में पहुंचाया जा सके।

सवाल- ट्रामा से क्या तात्पर्य है ?

डा. हर्षित- ट्रामा का मतलब सिर्फ एक्सीडेंट नहीं है। आसान शब्दों में कहें तो ट्रामा का अर्थ है आघात या क्षति होना। यह आघात शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, मानसिक और भावनात्मक, किसी भी रूप में हो सकता है। यानी किसी इंसान की शारीरिक, मानसिक, या किसी भी प्रकार की गंभीर क्षति को ट्रामा कहा जाता है। घर में गिर कर गंभीर रूप से घायल होना, चाकू लगने और चारा काटते समय हाथ कटना सब ट्रामा है। ऐसे घायलों को कम से कम समय में उपचार के लिए आघातकालीन चिकित्सा की जरूरत होती है और इन्हें ट्रामा सेंटर में भर्ती किया जाता है। ट्रामा सेंटर में अलग अलग स्पेशलिस्ट डॉक्टर होते हैं जो इमरजेंसी में आए मरीजों का कम समय में सावधानीपूर्वक इलाज करते हैं।

सवाल- ट्रामा सेंटर क्यों महत्वपूर्ण हैं ?

डा. हर्षित- आंकड़ों के अनुसार हमारे देश में प्रति वर्ष करीब 1.6 लाख लोग सड़क हादसों में और करीब 30 हजार लोग रेलवे ट्रैक पर अपनी जान गवां देते हैं। इनमें घटनास्थल पर मरने वाले लोगों से उन लोगों की संख्या ज्यादा होती हैं, जो सही समय पर इलाज न मिलने से मरते हैं। या जीवन भर के लिए अपने शरीर का महत्वपूर्ण हिस्सा खो देते हैं। इन सभी को बचाया जा सकता है अगर इन्हें हादसे के बाद गोल्डन ऑवर में स्तरीय ट्रामा सेंटर पहुंचाया जा सके।

सवाल- अत्याधुनिक उपकरणों और विशेषज्ञों की उपलब्धता कैसे पता करें ?

डा. हर्षित- अच्छा ट्रामा सेंटर वही है जहां पर मल्टी स्पेशियलिटी टीम हो। ट्रामा सर्जन के साथ ही शरीर के सभी अंगों के लिए विशेषज्ञ डॉक्टर, नर्स और पैरामेडिकल सहित पूरा सपोर्ट स्टाफ ट्रेंड और अनुभवी हो। साथ ही एक ही छत के नीचे बेड पर ही अल्ट्रासाउंड, सीटी स्कैन, ब्लड स्टोरेज यूनिट, पोर्टेबल डिजिटल एक्सरे मशीन, सेंट्रल ऑक्सीजन लाइन, पैथोलॉजी, ईको कार्डियोग्राफी, ईसीजी, स्पाइन बोर्ड और ट्रांसपोर्टेबल वेंटिलेटर जैसी सुविधाएं उपलब्ध हों। गोल्डन ऑवर के मद्देनजर ऑपरेशन थिएटर और क्रिटिकल केयर एक्सपर्ट हों। यह सब एसआरएमएस मेडिकल कालेज में उपलब्ध है।

सवाल- घायलों को अस्पताल पहुंचाने से बचते हैं लोग, क्या कहेंगे ?

डा. हर्षित- यह बात सही है। लोग पुलिस और अस्पताल के झंझटों से बचने के लिए घायलों को अस्पताल ले जाने या सूचना देने से बचते हैं। लेकिन अस्पतालों में घायलों को पहुंचाने वाले से कोई पूछताछ नहीं होती। न अस्पताल में कुछ पूछा जाता है और न पुलिस ही पूछती है। इसीलिए घायलों को अस्पताल पहुंचाने वालों की संख्या बढ़ रही है।

सवाल- एसआरएमएस में घायलों के इलाज लिए क्या प्लान है ?

डा. हर्षित- हम लोग गोल्डन ऑवर को ध्यान में रखते हुए प्लानिंग कर रहे हैं। इलाज के लिए ट्रामा टीम 24 घंटे तैयार है। अस्पताल पहुंचने से पहले एंबुलेंस में ही घायल को बेसिक सपोर्ट देने के लिए ट्रेंड स्टाफ है। शीघ्र ही हम ट्रामा ट्रेनिंग शुरू करने वाले हैं। समाज के सभी वर्गों को इससे जोड़ा जाएगा। जिससे लोगों को हादसों से बचाव के तरीकों की जानकारी के साथ ही ऐसी स्थिति से निपटने की सूझबूझ हो।

डा. हर्षित अग्रवाल
M.S., M.Ch.
Trauma Surgery & Critical Care

- एसआरएमएस मेडिकल कालेज की इमरजेंसी में बेड पर ही अल्ट्रासाउंड, सीटी स्कैन, पोर्टेबल डिजिटल एक्सरे मशीन, सेंट्रल ऑक्सीजन लाइन, ईको कार्डियोग्राफी, ईसीजी, स्पाइन बोर्ड, पैथोलॉजी और ट्रांसपोर्टेबल वेंटीलेटर जैसी सुविधाएं उपलब्ध।
- गोल्डन ऑवर के मद्देनजर ऑपरेशन थिएटर और अनुभवी क्रिटिकल केयर एक्सपर्ट, ट्रेंड नर्स और पैरामेडिकल सहित पूरा सपोर्ट स्टाफ 24 घंटे मौजूद।

Advt.

SRMS
श्री राम मूर्ति स्मारक
इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, बरेली
9458704444, 9458424630